Rajasthan Patrika: 12-12-2014

मांगों को लेकर खफा

बीएसएनएल के वरिष्ठ महाप्रबंधक कार्यालय पर प्रदर्शन करते अधिकारी व कर्मचारी। पत्रिका

बीएसएनएल कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

अजमेर. बीएसएनएल की नॉन एक्जीक्यूटिव व एक्जीक्यूटिव यूनियनों के एकीकृत फोरम के आह्वान पर गुरुवार को सावित्री तिराहा स्थित वरिष्ठ महाप्रबन्धक कार्यालय के समक्ष कर्मचारियों व अधिकारियों ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन को एआईबीएसएनएलईए के अजमेर इकाई के सचिव जी.एस. छाबड़ा, बीएसएनएलयू के परिमंडल सह सचिव बालकृष्ण शर्मा ने सम्बोधित किया। शर्मा ने बताया कि हमारी मांग ग्रामीण क्षेत्र के लैंडलाइन के घाटे का मुआवजा प्रदान करना, सेवाओं के विस्तार व बेहतरी के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद व नेटवर्क के विस्तार के लिए बीएसएनएल को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। सचिव छाबड़ा ने बताया कि हमारी मांगों पर निर्णय नहीं होने की स्थिति में मुख्यालय फोरम के आह्वान पर 6 जनवरी को तीन दिवसीय धरना व 17 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया है।

Dainik Navjyoti: 12-12-2014

जैसी इक्कीस सूत्रीय मांगों को लेकर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों ने गुरुवार की दोपहर महाप्रबंधक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन बीएसएनएल की नॉनएक्जीक्यूटिव व एक्जीक्यूटिव यूनियनों के एकीकृत फोरम के आह्वान पर किया गया। एआईबीएसएनएलईए के सचिव जी.एस. छाबड़ा के मुताबिक ग्रामीण इलाकों में संचार सेवाओं को बनाए रखने के लिए निगम दूरसंचार केन्द्र संचालित कर रहा है। उस पर होने वाला खर्च प्राप्त होने वाले राजस्व के मुकाबले काफी ज्यादा है। ऐसे में यह निगम के घाटे में दर्ज होता है। इसलिए निगम को अलग से मुआवजा दिया जाए। प्रदर्शन करने वालों को परिमण्डल सचिव बालकृष्ण शर्मा ने भी संबोधित किया। छाबड़ा के मुताबिक मांगों पर कोई निर्णय नहीं होने की सूरत में फोरम के आह्वान पर 6 जनवरी से तीन दिवसीय धरना और 17 मार्च से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, लगातार घाटे की स्थिति रहने पर निगम प्रबंधन द्वारा कभी भी अधिकारियों व कर्मचारियों की छंटनी शुरू की जा सकती है।

बीएसएनएल कर्मचारी

भारत संचार निगम को घाटे से उबारने के लिए सेवाओं के विस्तार हेतु आवश्यक उपकरणों की खरीददारी बहुत जरूरी है। तभी निगम निजी क्षेत्र की संचार कम्पनियों से मुकाबला कर सकेगा। इस मांग के समर्थन एवं निगम में एमटीएनएल के विलय के विरोध

प्रदर्शन करते बीएसएनएल कर्मचारी। -श्रीकांत जांगिड़